www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राष्ट्रीय एकीकरण के नायक: डॉ.श्यामा...

3 अजय राय द्वारा एसडीआरएफ कैंप के स्थापना की...

4 स्वदेश चोपड़ा जी की पुण्यतिथि पर निशुल्क...

वर्ष: 9 | अंक: 253 | दिल्ली, सोमवार, 7 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 25 साल से फरार कुख्यात अपराधी अजय लांबा गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने कई अपराधों के सिलसिले में 25 सालों से फरार 49 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति पर आरोप है कि वह टैक्सी किराये पर मंगाता था, तथा उनके चालकों की हत्या कर उनके शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक देता था और वाहनों को नेपाल सीमा पार बेच देता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अजय लांबा उर्फ बंशी के रूप में हुई है जो दिल्ली और उत्तराखंड में लूटपाट एवं हत्या के चार मामलों में वांछित था। पुलिस ने कहा कि उसे सभी मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था, जिसमें न्यू अशोक नगर थाने में दर्ज 2001 का हत्या का एक मामला भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि लांबा 1999 से 2001 के बीच किए गए कई जघन्य अपराधों का कथित मुख्य आरोपी था, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर टैक्सी चालकों को निशाना बनाया, उनकी हत्या की, उनके वाहन लूटे और पहचान छिपाने के लिए शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक दिया

मंडी में बादल फटने के बाद पूरा परिवार लापता

मंडी (एजेन्सी)। मंडी जिले के तलवारा गांव में बादल फटने की घटना में दस महीने की नितिका के परिवार के तीन सदस्य या तो बह गए या उनकी मृत्यु हो गई और वह संभवत: अपने परिवार की अकेली जीवित सदस्य रह गयी है। मंगलवार को जब गांव में बादल फटा तब बच्ची के 31 वर्षीय पिता रमेश कुमार अपने घर के अंदर घुस रहे पानी को रोकने की कोशिश कर रहे थे तभी बादल फटने से गांव में तबाही मच गई। उनका शव मलबे में मिला। नितिका की मां राधा देवी (24) और दादी पुर्णु देवी (59) रमेश की तलाश में निकल पड़ीं। दोनों महिलाओं का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पड़ोसी प्रेम सिंह ने बच्ची को अकेले रोते हुए देखा और उसे रमेश के चचेरे भाई बलवंत के पास ले गए। बलवंत पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के निजी सुरक्षा अधिकारी हैं। बलवंत ने पीटीआई- को बताया, बच्ची हमारे पास है। उन्होंने कहा कि उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ने बच्ची के नाम पर बैंक खाता खोलने की पेशकश की है और यह खाता कल खोला जाएगा। बलवंत ने कहा, उन्होंने (एसडीएम ने) कहा कि बहुत सारी कॉल आ रही हैं और लोग इस त्रासदी के बारे में सुनने के बाद बच्ची की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। बादल फटने से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र पवारा, थुनाग, बैदशाड़, कंडा और मुराद हैं। इन सभी पंचायतों में भारी तबाही हुई है, जहां सड़क, पानी और बिजली योजनाओं को काफी नुकसान पहुंचा है।

ठाकरे बंधुओं की एकजुटता से फडणवीस और महायुति के अन्य नेता परेशान: राउत

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस सहित सत्तारूढ़ महायुति के नेता घबरा गए हैं। शिवसेना से जुड़े राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे बंधुओं ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार द्वारा हिंदी संबंधी सरकारी आदेश वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए विजय रैली आयोजित की जिससे महायुति के नेता असमंजस में हैं। चचेरे ठाकरे भाइयों ने दो दशकों में पहली बार एक साथ राजनीतिक मंच पर नजर आए थे। इस दौरान उद्धव ने संकेत दिया कि शिवसेना और मनसे के बीच राजनीतिक गठबंधन हो सकता है। राउत ने कहा, महायुति नेता और देवेंद्र फडणवीस ठाकरे बंधुओं के साथ आने से परेशान हैं। शिवसेना-मनसे की जनसभा के बाद फडणवीस ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे ने रुदाली जैसा भाषण दिया है। राउत ने कहा, फडणवीस और (उपमुख्यमंत्री एकनाथ) शिंदे को (ठाकरे बंधुओं के साथ आने पर)अब रोने का कार्यक्रम शुरू करना चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि महाराष्ट्र ने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ लड़ाई जीत ली है।

'सहकारिता मंत्रालय की सभी पहलों की नींव में एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज को समृद्ध व संपन्न बनाने की धारणा है'

संजना भारती/पीआईबी

गुजरात। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के आणंद में सहकारिता मंत्रालय के 4 वर्ष पूरे होने एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित किया। श्री अमित शाह ने खेड़ा स्थित अमूल चीज प्लांट और मोगर स्थित अत्याधुनिक चॉकलेट प्लांट के विस्तार का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने आज आणंद में NCDFI के नए कार्यालय भवन, NDDB कार्यालय परिसर में मणिबेन पटेल भवन का उद्घाटन और रेडी टू यूज कल्चर संयंत्र का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोल, केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री एस पी सिंह बघेल और केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज ही के दिन पश्चिम बंगाल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद जी ने आजादी के पहले से ही देश की अनेक प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को संगठित किया। उन्होंने कहा कि अगर श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो कश्मीर कभी भारत का अभिन्न हिस्सा न होता। श्री शाह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद जी ने ही देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया और कश्मीर के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल भी डॉ. श्यामा प्रसाद जी के कारण ही भारत का हिस्सा है। श्री अमित शाह ने कहा कि हमारे देश में सहकारिता हमारे समाज के संस्कार के रूप में वैदिक काल से चली आ रही है और इसी संस्कार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विधायी रूप देते हुए आज के ही दिन देश में पहली बार अलग सहकारिता मंत्रालय बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि लगभग 31 करोड़ लोगों के साथ जुड़ी 8 लाख 40 हजार से अधिक समितियों के अंदर नए प्राण फूंकने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने कहा कि दूध से लेकर बैंकिंग, चीनी मिलों से लेकर मार्केटिंग और कैश क्रेडिट से लेकर डिजिटल पेमेंट तक आज सहकारी समितियां सक्षमता के साथ देश के आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थापना के 4 साल में सहकारिता मंत्रालय द्वारा 60 से अधिक पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि ये सारी पहल पांच P-People, PACS, Platform, Policy और Prosperity-पर आधारित हैं। पहला, People, इन सारी पहल की पूरी लाभार्थी देश की जनता है। दूसरा, PACS, हम प्राथमिक सहकारी मंडलियों को मजबूत कर रहे हैं। तीसरा, Platform, हमने हर प्रकार की सहकारिता गतिविधि के लिए डिजिटल और नेशनल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने का काम किया है। चौथा, Policy, नमक उत्पादन का मुनाफा भी अब नमक बनाने वालों को मिलेगा। पांचवा, Prosperity। उन्होंने कहा कि Prosperity एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे समाज की और संपन्नता कुछ सेठों की नहीं बल्कि गरीबों, मजदूरों और किसानों की हो और इसी कॉन्सेप्ट के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी ने ये 60 पहलें की हैं। श्री शाह ने कहा कि संगठित बाजार, इनपुट सेवाएं, दूध की निष्पक्ष खरीद, मूल्यांतर का भाव और डेयरी सेक्टर में सर्कुलर इकोनॉमी का एक चक्र पूरा करने का काम सरदार पटेल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन करेगा। उन्होंने कहा कि अमूल की ही तर्ज पर यह देश के किसानों का भला करेगा। उन्होंने कहा कि कच्छ ज़िला नमक सहकारी समिति के रूप में एक मॉडल समिति की शुरूआत की गई है जो आने वाले दिनों में नमक उत्पादन करने वाले हर मजदूर के लिए अमूल की तरह सशक्त कोऑपरेटिव आंदोलन बनेगा।

श्री शाह ने कहा कि अमूल FMCG ब्रांड न सिर्फ भारत बल्कि विश्व का सबसे मजबूत ब्रांड है और सहकारिता के इस संस्कार का विस्तार करने का संकल्प हमने सहकारिता वर्ष में लिया है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 2 लाख नए पैक्स, सहकारिता यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस, अनाज की ब्रिकी और उत्पादन से जुड़ी तीन राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव्स और तीन राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव्स जो डेयरी क्षेत्र के लिए बननी हैं, ये सभी आठों पहल एकसाथ हमारे देश के सहकारिता आंदोलन को बहुत मजबूत करेंगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमें पारदर्शिता, तकनीक को स्वीकारने और केन्द्र में सहकारिता सदस्य लाने के कार्य को बहुत मजबूती के साथ इस सहकारिता वर्ष में जमीन पर उतारना है। उन्होंने कहा कि जब तक पारदर्शिता नहीं होगी तब तक सहकारिता लंबी नहीं चल सकती और पारदर्शिता का अभाव ही सहकारिता की भावना को नुकसान पहुंचाता है। श्री शाह ने कहा कि जहां भी तकनीक को स्वीकारा नहीं गया वहां सहकारिता प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं सकी और जिस सहकारी संस्था में सदस्य के हित को सर्वोपरि नहीं माना गया वो सहकारी संस्था भी खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि इन तीनों चीजों को सहकारिता वर्ष में सभी सहकारी नेता अपने कार्यक्षेत्र में जमीन पर उतारें और इन्हें अपने काम करने का संस्कार बनाएं और इस भावना को देश के हर ज़िले में पहुचाएं।

श्री अमित शाह ने त्रिभुवनदास फूड कॉम्प्लेक्स, मोगर में रु105 करोड़ की लागत से निर्मित अमूल के चॉकलेट प्लांट के विस्तार व खात्रज में रु260 करोड़ की लागत से निर्मित डॉ. वर्गीस कुरियन चीज प्लांट का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। अमूल के चॉकलेट प्लांट विस्तार से इस प्लांट की उत्पादन क्षमता 30 टन से बढ़कर 60 टन प्रति दिन हो जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को किया सम्मानित

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। भारत आज जब एक समावेशी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में सहकारिता क्षेत्र को भी अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए नए-नए क्षेत्रों में सक्रियता से भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह विचार दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में यूनाइटेड थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन ऑफ दिल्ली लिमिटेड द्वारा सहकारिता वर्ष, संग्रह और सहयोग सम्मान समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें सहकारिता आंदोलन से जुड़े उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया गया और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करने पर बल दिया गया। अपने संबोधन में श्री गुप्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को "अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष" घोषित किया है, जिसका विषय है-

"सहकारिताएं एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं।" यह वैश्विक पहल सहकारिताओं की भूमिका को उजागर करती है, जो आर्थिक लचीलापन बढ़ाने, सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने और सतत विकास को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। लोकतांत्रिक स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से, सहकारिताएं लोगों को एकजुट कर उनकी साझा आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को लोकतांत्रिक स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पूरा करने का माध्यम बनती हैं। ये संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष रूप से सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने, असमानता को घटाने, और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विधानसभ अध्यक्ष ने आगे कहा कि संग्रह और सहयोग सम्मान कार्यक्रम इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय सहकारी समितियाँ किस प्रकार सहकारिता के मूल सिद्धांतों-बचत को प्रोत्साहित करना, ऋण सुविधा उपलब्ध कराना, और सशक्त सामुदायिक नेटवर्क का निर्माण करना-को साकार कर रही हैं।

शिक्षा क्रांति की शुरूआत के साथ पंजाब ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण में प्राप्त किया सर्वोच्च स्थान

अरविंद केजरीवाल ने सीएम मान को दी बधाई

एसबी संवाददाता

संगरूर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज पंजाब में शिक्षा क्रांति के नए युग की शुरूआत के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार को बधाई देते हुए कहा कि इन प्रयासों के चलते भारत सरकार द्वारा कराए गए नेशनल अचीवमेंट सर्वे (राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण) में पंजाब ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एन ए एस) में पंजाब की शानदार उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की शिक्षा के क्षेत्र में इस ऐतिहासिक दिन का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत गर्व और संतोष की बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के प्रयासों के चलते राज्य ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में देश में सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह पंजाबवासियों के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि राज्य ने पूरे देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इसे वास्तविक क्रांति कहा जा सकता है क्योंकि पिछली सरकारों के दौरान शानदार उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद उपेक्षित रहने वाले शिक्षक आज मुख्यमंत्री के साथ सीधा संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति के लिए सकारात्मक माहौल बनाया है और शिक्षकों ने इस माहौल का लाभ उठाते हुए हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को भी इसका भरपूर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सरकारी शिक्षकों का शोषण किया था, जिसके कारण पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा था, लेकिन अब बड़ा बदलाव आया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एन ए एस एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन यह उनकी सरकार का अंतिम लक्ष्य नहीं है। उनकी सरकार हर नागरिक की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब आम जनता यह प्रमाण देगी कि पंजाब सरकार ने शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में क्रांति ला दी है, तभी यह असली मान्यता होगी। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त पंजाब, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उनके लिए रोजगार/कारोबार सुनिश्चित करना राज्य सरकार की तीन प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही नशे के खिलाफ जंग को जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि विद्यार्थियों को नशे के खतरों से दूर रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशे के कहर को समाप्त करने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है और नशे के विरुद्ध यह जंग देश भर में बेमिसाल है।

केजरीवाल ने कहा कि आज लोग मुख्यमंत्री मान की प्रशंसा कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के पैसों से बनाई गई संपत्तियों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। जो लोग पीढ़ियों का भविष्य बर्बाद कर रहे थे, उन्हें अब उनके पापों की सजा मिल रही है। उन नेताओं को जेल भेजा जा रहा है जिन्होंने नशे के कारोबार को संरक्षण दिया था।

केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार आम आदमी को राहत देने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

सीएम नायब सैनी के प्रयासों से अरावली पहाड़ियों में विकसित होगी एशिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी

देश और विदेश के पर्यटकों के लिए बनेगा प्रमुख आकर्षण का केंद्र

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। अरावली की गोद में विकसित होने वाली विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी अब हरियाणा की नई पहचान बनने जा रही है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल राज्य में हरित पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में भी एक अहम कदम साबित होगी। इस परियोजना को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ गुजरात के वनतारा जामनगर का दौरा कर जानकारी हासिल की।

हरियाणा में यह जंगल सफारी लगभग 10,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी, जिसमें विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों, पक्षियों और प्राकृतिक जैव विविधता को संरक्षित किया जाएगा। यह

सफारी आधुनिक तकनीक से युक्त होगी और इसमें इको-फ्रेंडली टूरिज्म की विशेष व्यवस्था की जाएगी। अरावली की पहाड़ियों में सफारी के विकास से स्थानीय युवाओं को पर्यटन, गाइडिंग, हॉस्पिटैलिटी और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, यह परियोजना क्षेत्रीय जलवायु और पारिस्थितिकी को भी सुदृढ़ करेगी। नायब सिंह सैनी इस बड़ी परियोजना को लेकर स्वयं समय-समय पर समीक्षाएं कर रहे हैं। उन्होंने वन एवं पर्यावरण विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परियोजना पूरी तरह से ईको-फ्रेंडली हो। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसरों को सृजित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

वन एवं पर्यावरण विभाग तथा पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से इस परियोजना को मूर्त दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि यह सफारी देश और विदेश के पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बने और हरियाणा को इको-टूरिज्म के क्षेत्र में अग्रणी बनाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में यह जंगल सफारी परियोजना सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत होगा।

हरियाणा के बिजली उपभोक्ता हुए हाईटेक: ऊर्जा मंत्री अनिल विज

बोले-49 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ता ऑनलाइन करते हैं बिल भुगतान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा ने बिजली वितरण और उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में तकनीकी क्रांति कर दी है। आज प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 81 लाख 92 हजार 187 पहुंच गई है, उनमें से 49 लाख 15 हजार 312 उपभोक्ता अपने बिजली बिलों का भुगतान डिजिटल माध्यमों से कर रहे हैं। यह आंकड़ा न सिर्फ हरियाणा की डिजिटल साक्षरता का प्रमाण है, बल्कि उपभोक्ताओं की सुविधा, पारदर्शिता और समय की बचत का भी परिचायक है इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए श्री विज ने बताया कि हरियाणा में डिजिटल पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बिजली वितरण का जिम्मा उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के पास है। इन दोनों निगमों को हर माह मिलने वाले कुल राजस्व का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त हो रहा है। शहरों के साथ-साथ गांवों में भी उपभोक्ता नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, यूपीआई और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से भुगतान कर रहे हैं। इससे न सिर्फ बिलिंग प्रक्रिया तेज हुई है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए लंबी कतारों में लगने की समस्या भी खत्म हो गई है। श्री विज ने कहा कि बिजली

उपभोक्ताओं को अब सिर्फ बिल भुगतान ही नहीं, बल्कि नया कनेक्शन, लोड में वृद्धि/कमी, नाम परिवर्तन, शिकायत निवारण, मीटर स्थानांतरण जैसी सभी सेवाएं भी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मिल रही हैं। उपभोक्ता अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 1912 पर दर्ज कर सकते हैं। गुरुग्राम में एक केंद्रीय ग्राहक सेवा केंद्र, पंचकूला और गुरुग्राम में कॉल सेंटर स्थापित किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हुआ है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हरियाणा में तकनीकी सुधारों के तहत शहरी फीडरों पर स्वचालित मीटर रीडिंग लागू की गई है। इलेक्ट्रॉनिक मीटर रीडिंग प्रणाली के जरिए मैनुअल हस्तक्षेप कम हुआ है और बिलिंग में पारदर्शिता बढ़ी है। औद्योगिक क्षेत्रों जैसे मानेसर और कुंडली में स्मार्ट ग्रिड प्रणाली का विस्तार किया गया है, जिससे बिजली आपूर्ति में विश्वसनीयता और गुणवत्ता में सुधार आया है। श्री अनिल विज ने बताया कि हरियाणा सरकार की 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना ने ग्रामीण इलाकों की तस्वीर ही बदल दी है। इस योजना के तहत प्रदेश के 5887 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

ग्रामीण उपभोक्ता भी अब डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उनकी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। श्री विज ने बताया कि पिछले 13 वर्षों में हरियाणा की बिजली वितरण कंपनियों ने तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों में ऐतिहासिक कमी दर्ज की है। वर्ष 2012-13 में यह हानि 29.31 प्रतिशत थी, जो जनवरी 2025 तक घटकर मात्र 10.52 प्रतिशत रह गई है।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 1,300 नर्सों की नियुक्ति

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए रविवार को 1,300 से अधिक नए नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति की और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह और अन्य वरिष्ठ मंत्री उपस्थित थे। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने पिछली सरकार की तीखी आलोचना की और आरोप लगाया कि उसने राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को खराब होने दिया। उन्होंने कहा, अतीत में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा इतनी खराब स्थिति में थी कि प्रति 1,000 लोगों पर केवल 0.42 अस्पताल बिस्तर उपलब्ध थे। उन्होंने कहा, 38 अस्पतालों में केवल छह एमआरआई मशीन और 12 सीटी स्कैन मशीन थीं। दवाइयों की कमी के कारण मरीजों को अक्सर वापस लौटना पड़ता था।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ भरौलिया में स्नातक के चयनित छात्रों का नामांकन 7-12 जुलाई तक होगा

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ डिग्री कॉलेज भरौलिया, मोतिहारी के सचिव श्री मनीष कुमार शेखर ने स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन के लिए चयनित छात्र एवं छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

शेखर ने कहा कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ में चयनित छात्र एवं छात्राओं का 7 जुलाई से 12 जुलाई तक नामांकन लिया जाएगा। नामांकन लेने के लिए छात्र एवं छात्राओं को साथ लाना अनिवार्य होगा-जिसमें शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ एसएलसी/सीएलसी, आधार कार्ड की छाया प्रति, विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए किया गया ऑनलाइन आवेदन पत्र, डाउनलोड किया हुआ नामांकन अनुमति पत्र, 2 पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र यदि आरक्षण श्रेणी में आवेदन किया गया हो। शेखर ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कॉलेज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ डिग्री कॉलेज भरौलिया में छात्र एवं छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में भाषा विवाद

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से थोपे जाने के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल राज्य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक-दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है। वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे-धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही मराठी मानुष की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है। आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरूआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। आज की रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषण के जरिये वैसे तो कई बड़ी बातें कहीं लेकिन उन्हें हिम्मत करके कुछ जायज सवालों के जवाब भी देने चाहिए।

1. पहला सवाल यह है कि जिस हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा हासिल है उसके खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जा रही है?

2. दूसरा सवाल यह है कि हिंदी सिनेमा उद्योग ने जिस मुम्बई को विशिष्ट पहचान दिलाई और जो हिंदी सिनेमा उद्योग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह है वहां हिंदी का विरोध करना क्या दोहरा रवैया नहीं है? फिल्मों को हिंदी बेल्ट से कमाई चाहिए लेकिन उसी हिंदी बेल्ट का व्यक्ति यदि महाराष्ट्र में हिंदी बोले तो क्या उसकी बेल्ट से पिटाई की जायेगी?

3. तीसरा सवाल यह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर तमाम अन्य मराठा वीरों ने तो अपने साम्राज्य का उत्तर और दक्षिण तक विस्तार किया था लेकिन उद्धव और राज मराठियों को संकुचित दायरे में ही क्यों रखना चाहते हैं?

हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है। जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची-बसी है। हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है। यह 'विविधता में एकता' के भारतीय दर्शन को व्यवहार में उतारती है। उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा की आवाज है, यह उस किसान की बोली है, उस सैनिक का आदेश है, उस कवि की कल्पना है और उस आम आदमी का माध्यम है जो पूरे देश से जुड़ना चाहता है। इसे समझना, अपनाना और सम्मान देना ही असली भारतीयता है। आज जो लोग उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर नृत्य कर रहे हैं उन्हें भी यह बात समझनी चाहिए कि चचेरे भाई तो आपस में जुड़ गये मगर आपको भाषा के नाम पर भड़का कर अपने पड़ोसियों और अपने सहयोगियों से अलग कर दिया। बहरहाल, जहां तक उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की बात है तो आपको बता दें कि दोनों नेताओं का एक साथ आना महज भाषाई चिंता नहीं है, बल्कि इसमें एक गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है। उद्धव ठाकरे बीजेपी से अलग होने और एकनाथ शिंदे की ओर से शिवसेना को विभाजित कर देने के बाद नए सिरे से अपनी 'असली शिवसेना' की छवि को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

जयंती

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

जन्म: 7 जुलाई, 1883; मृत्यु: 12 सितम्बर, 1922) हिन्दी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार थे। बीस वर्ष की उम्र के पहले ही उन्हें जयपुर की वेधशाला के जीर्णोद्धार तथा उससे सम्बन्धित शोधकार्य के लिए गठित मण्डल में चुन लिया गया था और कैप्टन गैरेट के साथ मिलकर उन्होंने 'द जयपुर ऑब्जरवेटरी एण्ड इट्स बिल्डर्स' शीर्षक से अंग्रेजी ग्रन्थ की रचना की।

पुण्यतिथि

दिलीप कुमार

जन्म-11 दिसंबर, 1922; मृत्यु-7 जुलाई, 2021) हिन्दी सिनेमा के ख्यातिप्राप्त अभिनेता थे। वह राज्य सभा के पूर्व सदस्य भी रहे। दिलीप कुमार का वास्तविक नाम 'मोहम्मद युसुफ खान' था। उन्हें अपने दौर का बेहतरीन अभिनेता माना जाता था, त्रासद भूमिकाओं के लिए मशहूर होने के कारण उन्हे 'ट्रेजडी किंग' भी कहा जाता था। दिलीप कुमार को भारतीय फिल्मों में यादगार अभिनय करने के लिए फिल्मों का सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' के अलावा पद्म भूषण, पद्म विभूषण और पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-इम्तियाज' से सम्मानित किया गया था।

कल मिलेंगे

पूजा के समय पत्नी ने पति से पूछा
पत्नी-सुनो जी आपको आरती याद है न?
पति-हां...वो पतली सी, वही न?
इसके बाद भगवान की बाद में, पति की 'पूजा' पहले हुई.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राष्ट्रीय एकीकरण के नायक: डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उन्होंने आंदोलन किया ही, किन्तु हैदराबाद और जूनागढ़ राज्यों के भारतीय संघ में विलय की बाधाओं को दूर कराने में भी डॉ. मुखर्जी ने सरदार पटेल के साथ मिलकर मंत्रिमण्डलीय बैठकों के निर्णयों को राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में मोड़ने का सफल प्रयास किया। डॉ. साहब इस बात से बहुत व्यथित थे कि देश के नागरिकों को अपने ही देश के एक राज्य में जाने के लिए अनुमति-पत्र/परमिट लेनी पड़ती है

-डॉ. कुलवीर सिंह चौहान

परतंत्र और स्वतंत्र भारत की राजनीति को सम्यक दिशा देकर भाषायी एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के दायरे से बाहर निकालकर देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अक्षुण्य रखने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था। 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मात्र 23 वर्ष की अवस्था में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के फैलो बनाए गए थे। 1934-38 के अवधि में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा (33 वर्ष की अवस्था) और सफल कुलपति होने का गौरव भी उन्होंने प्राप्त किया। यह बंगाल ही नहीं अपितु विश्व के किसी भी देश के विश्वविद्यालयी इतिहास में सबसे युवा कुलपति बनने का एक कीर्तिमान भी था। इसके पहले 1929 व 1937 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। 1939 में विनायक दामोदर सावरकर की प्रेरणा से हिन्दू महासभा में शामिल हुए तथा 1941 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हिन्दूओं को संगठित करने का बीड़ा उठाया।1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के 'भारतीय जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। वह विभाजन की शर्तों पर स्वाधीनता प्राप्ति के मुखर विरोधी थे। 20वीं शताब्दी का आरम्भ भारत की राजनीति का वह दौर था जिसमें राजनीतिक पराधीनता के साथ वैचारिक अंतर्विरोध और सांस्कृतिक संकट के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे। सारे देश में साम्राज्यवाद के खिलाफ एक तीव्र लहर चल रही थी। भारत द्वितीय विश्वयुद्ध में श्रीहीन व शक्तिहीन हो चुके ब्रिटिश शासनतंत्र की बेड़िया तोड़ने को तीव्रता से आगे बढ़ रहा था। अंग्रेज इस स्थित को भांप कर भारत से विदा लेने के पहले बड़े षड्यंत्र को रच रहे थे। इसी साजिश के तहत अंग्रेजों ने बंगाल, जो भारत की आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना का मुख्य केंद्र रहा था,के विभाजन की कुटिल चाल चली। परंतु इस विद्वेषपूर्ण ब्रिटिश नीति ने राष्ट्रवाद की धारा को मंद करने के स्थान पर और तीव्र कर दिया था। स्वाधीनता संघर्ष की परिणति भारत की आजादी थी, किंतु विभाजन की त्रासदी ने देश को गहरी वेदना दी। विभाजन की अनिवार्यता को भांप कर, डॉ. मुखर्जी ने बंगाल, असम व पंजाब के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चंगुल में जाने से बचा लिया। डॉ. मुखर्जी के दूरदर्शी प्रयासों से ही सगर-पुत्रों की तपोभूमि, बंकिमचन्द्र, सुभाषचंद्र बोस, विवेकानंद, कवीन्द्र-रवींद्र,बंदा बैरागी,गुरुगोविंद सिंह की पावन धरा पश्चिम बंगाल व पंजाब का पाकिस्तान में विलय होने से बचाया जा सका।

स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में 15 अगस्त 1947 को वह महात्मा गाँधी के आग्रह और स्वातंत्र्यवीर सावरकर की प्रेरणा से शामिल हुए। यह भी अपने आप में एक रोचक तथ्य है कि कांग्रेस की नीतियों के धुर विरोधी दो विद्वान राजनेताओं डॉ. मुखर्जी व डॉ. अम्बेडकर को उनके नेतृत्व क्षमता, वक्तता कौशल व दूरदर्शी दृष्टिकोण के चलते नेहरु मंत्रिमंडल में उद्योग व आपूर्ति तथा कानून व श्रम जैसे अति महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। इस विश्वास को कायम रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में सार्वजनिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्वी पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर लगातार किए जा रहे अत्याचारों व देश में भीषण दंगो के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरु द्वारा पाक प्रधानमंत्री लिकायत अली को भारत में मुस्लिम समस्याओं के संदर्भ में भेजे आमंत्रण प्रस्ताव से खिन्न होकर उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। 16 जनवरी 1951 को आयोजित एक बैठक में पार्टी के घोषणापत्र व संविधान पर चर्चा के बाद "भारतीय जनसंघ" नामक एक राष्ट्रीय दल के गठन का निर्णय हुआ। 21 अक्टूबर,1951 को जिस दिन नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिंद सरकार का गठन किया था, दिल्ली में चार सौ प्रतिनिधियों के सम्मेलन में इस नवीन संगठन के अध्यक्ष के रुप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को संस्थापक अध्यक्ष घोषित किया गया। कानपुर में जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय की मांग का प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि 'एक देश में दो प्रधान,दो विधान व दो निशान-नहीं चलेंगे नहीं चलेंगे'। देश में लोकतंत्र को मजबूत करने दलीय एकाधिकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए उन्होंने जनसंघ के प्रथम अधिवेशन कानपुर में उड़ीसा के राजनीतिक दल गणतंत्र परिषद् को अधिवेशन में आमंत्रित किया था।प्रथम आम चुनाव में सारे देश से जनसंघ के मात्र 3 सांसद व कुल 17 विधायक (9 बंगाल व 8 राजस्थान से) पार्टी के टिकट पर चुने जा सके। जनसंघ एक नवजात राजनीतिक दल था।इसके बावजूद जनसंघ के घोषणापत्र में चुनाव पूर्व घोषित जमींदारी उन्मूलन की नीति का राजस्थान के जागीरदार विधायकों के विरोध को उन्होंने ठीक न मानते हुए 6 विधायकों को उनके जमींदारी उन्मूलन के जनसंघ के समर्थन का विरोध करने के कारण डॉ. मुखर्जी के निर्देश पर जनसंघ से निष्कासित किया गया था। इससे प्रकट होता है कि सामाजिक न्याय व दलीय अनुशासन के प्रति वह कितने समर्पित राजनेता थे!

जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उन्होंने आंदोलन किया ही, किन्तु हैदराबाद और जूनागढ़ राज्यों के भारतीय संघ में विलय की बाधाओं को दूर कराने में भी डॉ. मुखर्जी ने सरदार पटेल के साथ मिलकर मंत्रिमण्डलीय बैठकों के निर्णयों को राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में मोड़ने का सफल प्रयास किया। डॉ. साहब इस बात से बहुत व्यथित थे कि देश के नागरिकों को अपने ही देश के एक राज्य में जाने के लिए अनुमति-पत्र/परमिट लेनी पड़ती है। इसीलिए जब देश के दो प्रमुख सांसदों उमाशंकर त्रिवेदी तथा विष्णु घनश्याम देशपाण्डे को बिना परमिट के प्रवेश की अनुमति न देकर गिरफ्तार कर लिया गया तो डॉ. मुखर्जी ने इसे देश के नागरिकों का स्वदेश में अपमान मानते हुए प्रजा परिषद् द्वारा किए जा आंदोलन को समर्थन देने व राज्य में प्रवेश की परमिट व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से 8 मई को जम्मू-कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। 23 जून 1953 को श्रीनगर के एक बंगले में नजरबन्दी के रुप में रहस्यमय परिस्थियों में उनकी मौत ने सारे देश को स्तब्ध कर दिया।

हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड बेंगलुरु, उर्वरक कारखाना, सिंदरी तथा लोकोमोटिव कारखाना, चित्तरंजन, इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन, आल इण्डिया हैण्डीक्राफ्ट बोर्ड, आल इण्डिया हैण्डलूम बोर्ड, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड जैसे संस्थान डॉ. मुखर्जी की औद्योगिक नीति (1948) की देन है। स्वावलंबन व स्वदेशी के मार्ग पर चलकर इस नीति में उन्होंने वस्त्र उद्योग के व्यापक विस्तार की योजना को मूर्त रूप दिया। उसी का यह प्रतिफल है की भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में आज वस्त्र उद्योग की सबसे बड़े उद्योगों में गिनती होती है। भिलाई और राउरकेला में कालांतर में स्थापित इस्पात संयंत्रो की पृष्ठभूमि भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मंत्रित्व काल में ही बनी। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, यूनिवर्सिटीज कालेज आफ साइंस व शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय, कोलकाता जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानो के प्रशासनिक समितियों में रहकर उन्होंने इन संस्थानों की संवृद्धि के भरसक प्रयास किए। 1943 में बंगाल में आए भीषण अकाल के समय पीड़ितो के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर को लिखे गए मार्मिक पत्रों व सामाजिक कार्यकर्ता के रुप में सक्रिय भूमिका के लिए उन्हे आज भी याद किया जाता है। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता के साथ कभी समझौता नहीं किया।

भारतीय भाषाओं के संपोषण का प्रश्न रहा हो अथवा मातृभाषा बांग्ला के प्रति आदर व अनुराग का भाव।वह पूर्ण रुप से भारत व भारतीयता के प्रति समर्पित थे।स्नातक में अंग्रेजी में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने बावजूद अपने पिता सर आशुतोष मुखर्जी की सलाह पर उन्होंने बांग्ला भाषा में एम.ए.किया और विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। डॉ. मुखर्जी द्वारा विज्ञान की शिक्षा बांग्ला में उपलब्ध कराने के लिए वैज्ञानिक शब्दावली का संकलन कराया गया।कलकत्ता विश्वविद्यालय में डॉ. मुखर्जी की पहल पर 1937 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा बांग्ला में प्रथम दीक्षांत भाषण हुआ। चाहे हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने की मुहिम रही हो या उर्दू, हिन्दी और बांग्ला जैसी भारतीय भाषाओं के बी.ए. पाठ्यक्रमों को कलकत्ता विश्वविद्यालय में आरम्भ करवाने का निर्णय, डॉ. मुखर्जी ने औपनिवेशिक भाषातंत्र के स्थान पर भारतीय भाषाओं की संवृद्धि व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वे मानते थे कि प्रत्येक देश को अपनी मातृभाषा में शिक्षा एवं न्याय उपलब्ध होना चाहिए। डॉ. मुखर्जी देश भारत की भाषाई एकता के लिए हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के बीच संयोजन के पक्षधर थे।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है?

-उमेश चतुर्वेदी

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और समाजवादी शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए। जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं। संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और समाजवादी शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ।

संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए। अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा। नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है।

केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे, प्रवासी भारतीयों ने किया भव्य स्वागत

(एजेन्सी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी घाना और त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पूरी कर रविवार (स्थानीय समय अनुसार शनिवार शाम) को ब्राजील में कदम रखा। रियो डी जेनेरियो के गैलियो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने किया। हवाई अड्डे पर अपने स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के एक उत्पादक दौर की उम्मीद है।' हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिले। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कई भारतीयों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के जोरदार नारे लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात की खुशी भी X पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया, 'ब्राजील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जेनेरियो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के बारे में भी बहुत भावुक हैं! यहां स्वागत समारोह की कुछ झलकियां दी गई हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी यहां 2025 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उनकी ब्राजील यात्रा पांच देशों के दौरे का चौथा पड़ाव है, जो 2 जुलाई को शुरू हुआ था। इस दौरे का समापन नामीबिया में होगा।

नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने नेपाल की ओली सरकार से समर्थन वापस लिया

(एजेन्सी)।

नेपाल। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी (एनयूपी) ने नेपाल में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। पार्टी की अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ ने शनिवार को यह जानकारी दी। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी एक प्रमुख मधेसी पार्टी है, जिसके पास संसद में चार सीट हैं। हालांकि, ओली सरकार से समर्थन वापस लेने से गठबंधन की स्थिरता पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। श्रेष्ठ ने यहां मीडियाकर्मियों को बताया कि सरकार छोड़ने और संसद में विपक्ष में बैठने का फैसला पार्टी के संसदीय दल की बैठक के दौरान लिया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही अपने फैसले के बारे में अध्यक्ष और प्रधानमंत्री को सूचित करेगी।

अब दर्द भरे नगमों से रोमांटिक गीतों की ओर बढ़ रहा हूं-नौटियाल

(एजेन्सी)।

भारतीय संगीत उद्योग के सबसे लोकप्रिय गायकों में से एक, जुबिन नौटियाल अपनी विशिष्ट शैली और सुरीली आवाज से संगीत उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई है।जाने-माने पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल ने बताया कि कैसे मोहित सूरी ने उन्हें आगामी फिल्म 'सैयारा' के लिए 'बरबाद' गीत की पेशकश की, जो रिकॉर्डिंग के दौरान सहजता से प्रवाहित हुआ। गायक जुबिन नौटियाल के मुताबिक अब वह दर्द भरे नगमों से हटकर उत्साहजनक और रोमांटिक संगीत की ओर रुख कर रहे हैं।

नौटियाल को रातां लम्बियां, लुट गए, हमनवा मेरे, तुझे कितने चाहने लगे हम और तुम ही आना जैसे लोकप्रिय गीतों के लिए जाना जाता है। नौटियाल ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, पहले अलग-अलग संगीत विधाएं बहुत जटिल मानी जाती थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में गाते-गाते मैंने यह सीखा कि जब भी मैं कोई गाना रिकॉर्ड करता हूं, तो बस यही सोचता हूं कि क्या मैं इसे कर पाऊंगा। मैंने हर बार कोशिश की, चाहे वह सफल हो या असफल।

उन्होंने कहा कि वह अब गायकी में नए आयाम तलाश रहे हैं। नौटियाल ने कहा, मैं अब ऐसी विधाओं में भी गा पा रहा हूं जिनके बारे में मैंने कभी सोचा नहीं था। लोग अब मेरे रोमांटिक अंदाज को पसंद कर रहे हैं और मुझे नए रोमांटिक गीत गाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया, एक समय था जब मुझे दर्द भरे नगमों के साथ जोड़ा जाने लगा था। लेकिन अब मुझे इश्क मेरा और बर्बाद जैसे रोमांटिक गाने में प्रस्तुति देने का अवसर मिल रहा हैं, जो मेरे लिए एक शानदार अनुभव है।

बर्बाद फि ल्म निमार्ता मोहित सूरी की नवीनतम फि ल्म सैयारा का एक गीत है। नौटियाल ने मोहित सूरी को धन्यवाद दिया और कहा कि यह गाना उनकी आवाज के लिए जैसे विशेष रूप से तैयार किया गया था। नौटियाल ने कहा, मोहित को पता था कि मेरी आवाज में गाना कैसा लगेगा। वह बहुत आश्वस्त थे। वह कहते थे, एक गाना है और मैं चाहता हूं कि तुम इसे गाओ।

बर्बाद एक दर्द भरा नगमा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। मोहित ने कहा कि यह एक रोमांटिक गाना है। यह उन गानों में से एक है जिसे लोग पसंद कर रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि मोहित सूरी के साथ काम करना किसी भी संगीतकार के लिए एक सपने जैसा होता है। सैयारा फिल्म के निमार्ता वाईआरएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी हैं और यह 18 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज होगी।

अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना

(एजेन्सी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना तमिल फिल्म के साथ अपने अभिनय करियर की शुरूआत करने जा रहे हैं। निर्माण कंपनी ड्रीम नाइट स्टोरीज भी इससे फिल्म निर्माण में कदम रखने जा रही है। कंपनी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि सुरेश रैना उनके आगामी प्रोजेक्ट से जुड़ रहे हैं। रैना ने भी यह पोस्ट अपने आधिकारिक हैंडल पर साझा की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, चिन्ना थाला सुरेश रैना का डीकेएसप्रोडक्शन में स्वागत है। तमिलनाडु में रैना को क्रिकेट प्रशंसक चिन्ना थाला कहकर पुकारते हैं। वीडियो में रैना को एक स्टेडियम में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, जहां प्रशंसक उनका स्वागत कर रहे हैं। डी. सरवण कुमार द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन लोगन करेंगे। इसमें संगीत संतोष नारायणन का होगा। रैना (38) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। वह वर्ष 2011 में विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे।

नीरव मोदी का भाई निहाल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

(एजेन्सी)।

भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिकी अधिकारियों ने 4 जुलाई, 2025 को गिरफ्तार कर लिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया कि गिरफ्तारी भारत के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा प्रस्तुत संयुक्त प्रत्यर्पण अनुरोध के अनुसरण में की गई थी।

अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, दो गंभीर आरोपों पर प्रत्यर्पण कार्यवाही शुरू की जा रही है, एक धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का मामला और एक भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी और 201 के तहत आपराधिक साजिश का मामला। नेहल मोदी अरबों डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी है, जो भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है। भारतीय एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि उसने अपने भाई नीरव मोदी के लिए अपराध की आय को लूटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो ब्रिटेन में प्रत्यर्पण कार्यवाही का भी सामना कर रहा है। ईडी और सीबीआई की जांच से पता चला है कि नेहल ने कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए शेल कंपनियों और विदेशी वित्तीय चैनलों का उपयोग करके बड़ी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में सहायता की।

प्रत्यर्पण कार्यवाही में अगली सुनवाई 17 जुलाई, 2025 को निर्धारित है, जिसके दौरान एक स्थिति सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। नेहल मोदी द्वारा जमानत के लिए आवेदन किए जाने की उम्मीद है, जिसका अमेरिकी अभियोजन पक्ष ने पहले ही विरोध करने की बात कही है। इस बीच, पीएनबी मामले के सिलसिले में भारतीय अधिकारियों द्वारा नेहल मोदी के खिलाफ पहले ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जा चुका है।

यमन तट के निकट लाल सागर में जहाज पर हमला किया गया: ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी

(एजेन्सी)। यमन तट के निकट लाल सागर में हथियारबंद व्यक्तियों ने रविवार को एक जहाज पर हमला किया। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हमले की जिम्मेदारी किसी समूह ने अभी नहीं ली है। यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने कहा कि जहाज पर तैनात एक सशस्त्र सुरक्षा टीम ने जवाबी हमला किया। इसने कहा, अधिकारी जांच कर रहे हैं। इजराइल-हमास युद्ध के दौरान यमन के हूती विद्रोही लाल सागर में हमले करते रहे हैं।

अजय राय द्वारा एसडीआरएफ कैंप के स्थापना की मांग पर आपदा प्रबंधन शाखा ने दी सकारात्मक प्रतिक्रिया

संजना भारती संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले में लगातार बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं और जल दुर्घटनाओं के मद्देनजर डुमरांव निवासी समाजसेवी एवं नगर परिषद के ब्रांड एंबेसडर अजय राय ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जिले में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों के स्थायी कैंप की स्थापना की मांग की थी।

इस पत्र के आलोक में जिला प्रशासन सक्रिय हुआ है। आपदा प्रबंधन शाखा के प्रभारी पदाधिकारी ने अजय राय को जानकारी दी है कि बक्सर अंचल के बेलाउर स्थित इमरजेंसी रिस्पांस फैसिलिटी सह ट्रेनिंग सेंटर एंड कैपेसिटी बिल्डिंग में एसडीआरएफ कैंप की स्थापना हेतु 90% कार्य पूरा हो चुका है। शीघ्र ही यहां एसडीआरएफ टीम को तैनात कर दिया जाएगा।

अजय राय ने अपने पत्र में लिखा था कि बक्सर गंगा नदी के विशाल प्रवाह क्षेत्र में आता है, जहां सैकड़ों पोखरे और तालाब हैं। खासकर सिमरी और चक्की प्रखंड के गंगा किनारे बसे गांवों में जलजनित दुर्घटनाएं अक्सर घटती हैं। वर्तमान में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें बिहटा में स्थित हैं, जो बक्सर से करीब 100 किलोमीटर

दूर है। ऐसे में आपदा की स्थिति में राहत कार्य देर से शुरू होता है, जिससे जानमाल की हानि होती है। अजय ने सुझाव दिया कि चूंकि बक्सर भोजपुर, रोहतास और कैमूर जिलों की सीमा पर स्थित है, इसलिए यहां स्थायी कैंप की स्थापना से पूरे शाहाबाद क्षेत्र को त्वरित आपदा राहत मिलेगी। उन्होंने आग्रह किया कि इस विषय में गंभीरतापूर्वक विचार कर जल्द एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाए।

प्रशासन द्वारा मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से अजय राय और स्थानीय लोगों ने संतोष जताया है।

खानपुर थाना क्षेत्र में ताजिया जुलूस, शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम पर्व हुआ सम्पन्न

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के करीब तीस लाइसेंस धारियों ने अपने अपने क्षेत्र में शांतिपूर्ण व एकता का मिसाल पेश करते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में मोहर्रम पर्व को मनाया गया। हालाकि कुछ जगहों पे दो अखाड़ों के बीच टाइम टेबल को लेकर तू तू मैं मैं होते दिखा गया। लेकिन खानपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने अपनी काविलियत का परिचय देते हुये प्रखंड प्रसासन के साथ तत्परता से लोगों को समझा बुझाकर शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम पर्व को सम्पन्न कराया गया।

वही थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने महिला पुलिस फोर्स व जेन्स पुलिस फोर्स के साथ जहांगीरपुर कोठिया, इलमासनगर, मन्नेबाड़ा, खैरी, हरपुरश्याम, कादरचक, सिरोपट्टी, खतुआहा, मधुटोल, चकवाखर, सिरौल, श्रीपुर गाहर, दिनमनपुर उत्तरी व दिमनपुर दक्षिणी, खानपुर उत्तरी एवं खानपुर दक्षिणी, मसीना, नत्थुद्वार, शाहपुर सहित अन्य अखाड़ों का दौरा करते रहे।

■ मोहर्रम पर्व शांति व्यवस्था के बीच सम्पन्न कराने को लेकर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने थाना के सभी पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस फोर्स को थाना क्षेत्र में अलग अलग चौक चौराहों पर तैनात कर स्वयं थाना क्षेत्र में दौर लगाते देखे गये

वही बताते चले कि थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने क्षेत्र में अमन चैन बरकरार रहे और शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम पर्व सम्पन्न हो सके इसके लिए उन्होंने एक दिन पूर्व ही थाने के सभी पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक कर रूटचार्ट तैयार किया। जिसके बाद उन्होंने सभी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए क्षेत्र में बने रहने की सलाह दिया। वहीं उन्होंने खुद कई अखाड़े का भार उठते हुए थाना क्षेत्र में अखाड़े पर दौड़ लगाते रहे। वहीं सिरोपट्टी स्थित कर्बला पर शांतिपूर्ण ताजिया जुलूस हो सके इसको लेकर पूर्व उप प्रमुख पवन देव प्रसाद सिंह, नीरज कुमार, थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी,एसआई पूनम कुमारी, एसआई अरविंद सिंह, एसआई अजय कुमार दुबे, एएसआई 15 अनिल कुमार, एएसआई 24 अनिल कुमार के अलावे 112 के पुलिस पदाधिकारी व

प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा, सीओ मनीष कुमार, मो0 लालबाबू, मोहम्मद कलाम खां, मो0 हैदर अंसारी, मो0 मुतुर्जा अंसारी, मो0 नियाज, मो. इकलाख, मोहम्मद इसाक, लाल खां, नेमत खां, मोहम्मद मंजर मौके पर मौजूद रहे।

72वां जन्मदिन पर किया पौधारोपण

एसबी ब्यूरो

विद्यापतिनगर। हास्य-व्यंग्य के मशहूर कवि सीताराम शेरपुरी का 72वां जन्मदिवस लधु गोष्टी संघ पौधारोपण के साथ मनाया गया। उपस्थित साहित्यकारों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। युवा कवि मिन्टू ने बधाई देते हुए उन्हें साहित्य का धरोहर बताया। देवनिती राय ने सीताराम शेरपुरी की भूरी-भूरी प्रसंशा किया। सीताराम शेरपुरी ने अपने 72वां जन्मदिन पर पौधारोपण कर लोगों को प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया।

उक्त मौके पर उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे संपूर्ण जीवन की प्राण वायु के स्रोत हैं। पर्यावरण को दूषित होने से बचाते हैं। तथा वे हमें सांस लेने के लिए आक्सीजन प्रदान करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को विशेष अवसरों पर

पौधारोपण करना चाहिए। बधाई देने वालों में प्रो. सत्यसंध भारद्वाज, उमेश कुंवर, रंजना लता, उज्जवल कुमार, प्रवीण कुमार चुन्नू, अर्चना चौधरी, शौरव वाचस्पति, नितीश कुमार, कुणाल कुमार, गणेश गिरी, संदीप पाठक, सोनू ठाकुर, सुदर्शन प्रसाद राय, सहित कई अन्य ने शुभकामनाएं दी।

युद्ध नशों विरुद्ध के 127वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 143 नशा तस्कर गिरफ़्तार

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू किये गए युद्ध नशों विरुद्ध के 127वें दिन पंजाब पुलिस ने 143 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्जे में से 3.5 किलो हेरोइन, 1.5 किलो अफीम और 54,750 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ 127 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 20,784 हो गई है। यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निदेर्शों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस. एस. पीज को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व अधीन 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है। आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 79 गजटिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1200 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के सम्मिलन वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 411 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 105 ऐफआईआरज दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 442 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की।

सरकार सच्चे अर्थों में कर रही हैं जनहितैषी और अंत्योदय की भावना से कार्य- कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार सच्चे अर्थों में जनहितैषी सरकार है, अंत्योदय की भावना से प्रत्येक वर्ग का कल्याण करना उनकी प्राथमिकताओं में शुमार है। ग्रामीणों द्वारा उनको जो भरपूर सहयोग मिला है अब उनका ऋण उतारने की बारी मेरी है। ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। किसी भी सूरत में क्षेत्रवासियों का विश्वास नहीं टूटने दिया जाएगा। शहरों की तर्ज पर ग्रामीण इलाकों का चहुमुखी विकास करवाया जाएगा। श्री बेदी शनिवार देर सांय नरवाना (जींद) में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित धन्यवादी दौरे के दौरान बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों को सम्बोन्धित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने तीन परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। जिसमें एक करोड़ 43 लाख रुपए की लागत से बनी गांव की फिरनी का उद्घाटन किया, 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाली वाल्मीकि चौपाल और 13 लाख रुपए से बनने वाली मुस्लिम चौपाल का शिलान्यास भी किया।

एक बेटा का अभ्युदय तेघड़ा विधानसभा में, सबका साथ संपूर्ण विकासः चंद्रप्रकाश सिंह

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा/बेगूसराय। 143 विधानसभा क्षेत्र से समाजसेवी सह एयरफोर्स से अवकाश प्राप्त पदाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी ने मुहर्रम के अवसर पर अपने विधानसभा क्षेत्रों में जनसमपर्क अभियान चलाकर लोगों से रुबरु हुए।साथ ही उन्होंने मुहर्रम के जूलूस में भी अपनी प्रतिभा को दिखाया।

वहीं उनके प्रति जनता मालिकों का भरपूर आशिर्वाद मिला। श्री सिंह ने कहा कि आपसी भाईचारे के साथ शांति का पैगाम देने वाला पर्व है

मुहर्रम इनके साथ जनसमपर्क अभियान में कृष्ण कुमार सिंह, चंदन, शंभू सिंह, विजय, सोनू, जुबेर, अब्दुल्ला, मुन्ना सिंह,कैलू, गोपाल पोद्दार, महेंद्र सहनी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुहर्रम पर मातमी जुलूस के साथ अकीदतमंदों ने निकाली गई ताजिया

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा। बारा तहसील मुख्यालय पर रविवार को क्षेत्र के बारा खास, घुरमी, पिपरांव, सेहुंडा, रघुबीर का पूरा, गंभीरपुर, चंद्रा, लोहगरा, तेलघना, ललई, कंचनपुर आदि स्थानों पर मुहर्रम यानी योमें आशूरा के दिन मातमी जुलूस एवम ढोल नगाड़े के साथ या अली या हुसैन की सदाओं के बीच गलियों में होते हुऐ निकाली गई ताजिया।

बताया गया कि मोहर्रम इस्लामिक साल का पहला महीना है जिसे इस्लाम धर्म मानता है इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत के गम में मनाया जाता है मोहर्रम की दसवीं तारीख को कर्बला के मैदान में जुल्म और जास्ती के खिलाफ एक जंग लड़ी गई जिसमें इमाम हुसैन और यजीदियो के बीच लड़ी गई लड़ते-लड़ते हजरत इमाम हुसैन का पूरा 72 लोगो का खानदान इस्लाम धर्म को जोर जास्ती जुल्म से बचाने के लिए

शहीद हो गए थे लेकिन यजीदियों की बात नहीं मानी। तभी से मुहर्रम मनाने की परंपरा चली आ रही हैं मुहर्रम उल हराम की नवी तारीख को ताजिया इमामबाड़ा पर रखी जाती है और 10 तारीख को यानी यौमे आशूरा के दिन ताजिया को कर्बला में दफन किया जाता है 10 तारीख को ही मुस्लिम धर्म के लोग रोजा रखते हैं।

बारा क्षेत्र के सभी लोग ताजिया ले लेकर तहसील मुख्यालय पर इकट्ठा होते हैं और जुलूस के साथ सभी इमाम बाड़ों पर ताजिया को घुमाया जाता है गांव के लोग अपने अपने दरवाजों से ताजिया में तिल्ली और रेवड़ी डालते है। वहीं साहिबे हैसियत अपने-अपने घरों से इमाम हसन हुसैन के लिए विभिन्न विभिन्न पकवान बनाकर जगह जगह सदका (बाटा) करते हैं जूलूस घूमते घूमते बड़े चौक पहुंचता है इमाम बाड़ा पर ताजिया रखकर फातिहा पढ़ते हैं उसके बाद ताजिया को उठा कर कर्बला लेकर चले जाते हैं वही ताजिया को पानी में डालकर और उसमें रखे अवशेष को दफन कर दिया जाता है।

क्षेत्र के लोगों एवं ताजियादार में मो रईस, मो बेलई, मो कय्यूम, भोला बिंद, एवं ग्राम वासी वसीम अहमद, रईस अहमद, मोहम्मद शब्बीर, अवैश अहमद, मोहम्मद अली, मोहम्म सलीम, सगीर अहमद, मोहम्मद मंसूर, सगीर अहमद, कलीम अहमद, मो अनीश, मो अरसद, सकील अहमद, मो अरमान, मो कासिम, नफीस अहमद, मो इस्लाम, मो चांद, मो अनीश, मुन्ना ठिकेदार, मो शाहिद, शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व थाना राजेश कुमार मौर्य एवं पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

76 वां अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो

बीहट(बेगूसराय)। सिद्धाश्रम सिमरिया धाम के प्रांगण में रविवार को आषाढ़ शुक्ल पक्ष हरिशयन एकादशी तिथि को पूज्य संत शिरोमणि करपात्री अग्निहोत्री स्वामी चिदात्मन जी महाराज का 76वां अवतरण दिवस सर्वमंगला परिवार के द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर सर्वमंगला केन्द्रीय समिति के पदाधिकारियों के द्वारा गुरुदेव भगवान को मिथिला का पारंपरिक पाग, अंगवस्त्र पुष्प गुच्छ भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। वहीं इस अवसर पर गुरुदेव के अमृत वाणी में उन्होंने कहा कि सदा सद्मार्ग पर चलना चाहिए। भटके को राह दिखाने का काम करना चाहिए। इस प्रकार जो कोई मानव जीवन में रहकर माता, पिता और गुरु की सेवा करता है। उसको किसी भी प्रकार की कमी नहीं होती है। इसलिए कहा गया है मातृ देवो भवः पितृ देवो भवः आचार्य देवो भवः मौके पर सिद्धाश्रम के व्यवस्थापक रविंद्र ब्रह्मचारी, मीडिया प्रभारी नीलमणि, कौशलेंद्र, अमरेंद्र, निपेंद्र

सिंह, तरुण कुमार, पप्पू सिंह, पप्पू त्यागी, गौरी सिंह, बब्लू सिंह, राजीव कुमार, संतोष कुमार, सनातन झा, राम झा, लक्ष्मण झा, अरविंद चौधरी, योगीराज, दिनेश प्रसाद सिंह, महासचिव राज किशोर सिंह, ऊषा रानी, सत्यानंद, प्रो.प्रेम, सुशील चौधरी रितेश कुमार, अमरदीप कुमार सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

पूर्वमंत्री आबिद रजा की ओर से कर्बला में लगा कैम्प

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। पूर्व मंत्री आबिद रजा की ओर से मुहर्रम की 10वीं तारीख (आशुरे) के मौके पर कबूलपुरा स्थित कर्बला शरीफ में हर साल की तरह इस साल भी कैम्प लगाया गया। इस कैम्प में पहुँच कर पूर्वमंत्री आबिद रजा ने कर्बला शरीफ की ज्यारत करने आये ज्यारीनो से मुलाकात की और खुद रोजा रख कर लंगर भी तकसीम किया। यहां आपको बताते चले कि पिछले 20 सालों से पूर्वमंत्री आबिद रजा मोहर्रम की 10 तारीख को करबला में कैम्प लगाते है और खुद रोजा रखकर लोगों को लंगर बाँटते है।

पूर्वमंत्री आबिद रजा ने हजरत इमाम हुसैन साहब की कुर्बानियों को याद करते हुए कहा कि मैदान-ए-कर्बला में जुल्म के खिलाफ हक और सच्चाई के लिए हजरत इमाम हुसैन और उनके 72

साथियों द्वारा दी गई कुर्बानी अमर है। पूर्वमंत्री आबिद रजा ने खासतौर से मुस्लिम नौजवानों से अपील करते हुए कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत नमाज पढ़ते वक्त हुई थी ऐसे हालात में भी हजरत इमाम हूसैन ने नमाज को नही छोड़ा। इससे नमाज का मर्तवा पता चलता है। इसलिये मुस्लिम नौजवानों को किसी भी हालत में नमाज नही छोड़नी चाहिए। आज मुल्क में जो हालत है उसकी बड़ी वजह है ईमान से दूर हो जाना।

मुसलमान अल्लाह से नहीं डर रहा है सारे जमाने ने डर रहा है। मुसलमान जिस दिन अल्लाह से डरना शुरू कर देगा और नमाज, रोजा व अल्लाह की बताई हुई बातो पर चलना शुरू कर देगा। सच और हक के लिए खड़ा होना शुरू कर देगा। झूठ, धोखा, बेईमानी से दूरी बना लेगा तब उसे जमाने में सिवाए अल्लाह के अलावा किसी और से डरने की जरुरत नही पड़ेगी। तभी मुसलमान को दुनिया में भी इज्जत मिलेगी और उनके हालातो में सुधार होंगे। पूर्व मंत्री आबिद रजा के साथ उनके पुत्र दयान रजा और अदान रजा भी मौजूद रहे।

जिला जार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष ब्रिजेश परिडवाल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जार इकाई टोंक द्वारा आयोजित एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जिले के पत्रकारों का दल प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भीमलत जलप्रपात पहुँचा। यहाँ उन्होंने वर्षा ऋतु में प्रकृति के अनुपम सौंदर्य का भरपूर आनंद उठाया।

इस अवसर को विशेष बना दिया जार जिलाध्यक्ष बृजेश परिडवाल के जन्मदिन ने, जिसे पत्रकार साथियों ने उत्साहपूर्वक और स्नेहपूर्वक मनाया। केक काटने के साथ जन्मदिन की बधाइयों और शुभकामनाओं का दौर चला, जिससे आपसी मेलजोल और संगठनात्मक एकता की भावना और मजबूत हुई।

भ्रमण दल में राजस्थान नर्सिंग ऑफिसर यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही जार प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम जोशी, अनिल विजय, नासिर खान, अशोक

शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, राजाराम गौतम, कमल मीणा, कमलेश सैनी, सुभाष सौदा, गौरव विजय, अशोक बैरवा, (अरशद शाहीन /एस रहमान)सहित अनेक सक्रिय पत्रकारों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर पत्रकारिता के सामाजिक और संगठनात्मक पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रदीप चौधरी ने मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों को संबोधित किया और एक प्रेरणादायक शायरी के माध्यम से पत्रकारिता के मूल्यों को व्यक्त कियाः

'सच कहने की हिम्मत, कलम की धार, यही है पत्रकार, यही है उसका

संसार।' उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम में वह ताकत होती है जो अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकती है और समाज को जागरूक बना सकती है। भ्रमण के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं और संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। सभी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जार इकाई टोंक का आभार प्रकट किया।

पिंजौर, मोरनी में पर्यटन विकास पर खर्च होंगे 92 करोड़ रुपए: डॉ अरविंद शर्मा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पर्यटन क्षेत्र में सभी संभावनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी में पर्यटन विकास के लिए 92 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होगी। उन्होंने अगले साल मैंगो मेले को और भव्य बनाने की भी घोषणा की। रविवार को पिंजौर में 32वें मैंगो मेले के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि आरती सिंह राव पहुंचे और आम प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दोनों कैबिनेट मंत्री मोदी आम व नायब आम देकर हतप्रभ रह गए। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या उपरांत अपने संबोधन में विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि तीन दिवसीय 32वां मैंगो मेले में इस बार रिकार्डतोड़ अढ़ाई लाख पर्यटकों की भीड़ पहुंची और पहली बार आम प्रशंसको के लिए लगाए गए बिक्री स्टाल पर आम उत्पादकों को 25 लाख रुपए की बिक्री हुई। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करते हुए मैंगो मेले के दिनों में बढ़ोतरी करने और विलुप्त होती जा रही आम प्रजातियों को बचा रहे किसानों के प्रोत्साहन के लिए योजना बनाने की मांग की जाएगी।

पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी को स्वदर्शन 2.0 योजना के तहत 92 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा, ताकि इस इलाके में पर्यटकों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की जा सके। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने बॉलीवुड गायक विपुल मेहता के साथ 'मैं जट यमला-पगला दीवाना' गाया और आए हुए पर्यटकों का मन मोह लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा को 32वें मैंगो मेले में उमड़ी रिकार्डतोड़ भीड़ के लिए बधाई देते हुए कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में बीते 3 दिन में वैभवता के साथ प्राकृतिक सौंदर्यता के बीच देशभर के आम उत्पादकों को एक शानदार मंच मिला है। उन्होंने कहा कि यह मेला परंपराओं को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने और एकता, समृद्धि को बढ़ाने वाला है। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में किसानों को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के बेहतरीन कदम उठाए गए हैं।

राजकुमार (प्रिंस) बने हरियाणा पत्रकार संघ करनाल के नए जिलाध्यक्ष, सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार (प्रिंस) को हरियाणा पत्रकार संघ की करनाल जिला इकाई का नया जिलाध्यक्ष चुना गया है। संघ की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया, जिसमें पदभार ग्रहण करने के बाद प्रिंस ने कहा कि साथियों ने जो विश्वास जताया है, उसका वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे पत्रकारों के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे।

राजकुमार प्रिंस को जिलाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव निवर्तमान जिलाध्यक्ष संदीप साहिल ने रखा, जिसे संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल मिड्ढा ने अनुमोदित किया। इसके पश्चात उपस्थित पत्रकारों ने जोरदार तालियों के साथ इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दी।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष केबी पंडित ने इस सर्वसम्मति को स्वीकार करते हुए राजकुमार (प्रिंस) को औपचारिक रूप से जिला अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में पत्रकारों की पेंशन योजना में सुधार, स्वास्थ्य बीमा योजना जैसे मुद्दों को सरकार के समक्ष पूरी मजबूती से उठाया जाएगा।

राजकुमार (प्रिंस) एक अनुभवी पत्रकार हैं, जो दैनिक जागरण के ब्यूरो चीफ के रूप में लंबे समय तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के संपादक के रूप में कार्यरत हैं। उनके मीडिया जगत में योगदान और व्यावसायिक दृष्टिकोण को देखते हुए संघ ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा, "मुझे यह जिम्मेदारी मेरे पत्रकार साथियों ने दी है और मैं इसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निभाऊंगा। मेरे लिए संगठन सर्वोपरि है और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगा।"

पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप साहिल, जो वर्तमान में हरियाणा विधानसभा के सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण के विशेष सहयोगी भी हैं, ने व्यस्तता के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। केबी पंडित ने उनका त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उन्हें संघ की प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य नामित किया और उनके अब तक के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि संदीप साहिल ने संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बैठक में करनाल के कई प्रमुख पत्रकार और संपादक उपस्थित रहे। इनमें सोमदत्त शर्मा (दैनिक जागरण), देव शर्मा (अमर उजाला), प्रवीन अरोड़ा (दैनिक ट्रिब्यून), कमल मिड्ढा (करनाल ब्रेकिंग न्यूज), शिवनाथ कपूर, प्रदीप मेहता, सुरेंद्र अनेजा, हरिकृष्ण आर्य, तेज बहादुर टिक्कू, अश्विनी शर्मा, डॉ. के-के संधू, सुरेंद्र पांचाल, हरीश मदान, अमन ग्रोवर, दर्शन शर्मा, पवन वर्मा, संदीप रोहिला, जयपाल बंसल, डॉ. नीना, ईश्वर दत्त, गुरमीत सिंह सगगू, नरेंद्र पंडित, गगन तलवार, बिशपाल राणा, नरेंद्र लाठर, विकास मेहला, हिमांशु नारंग, इशिका ठाकुर, कदम सिंह और अमित आहूजा शामिल रहे।

'चाय पर चर्चा': विधायक जगमोहन आनंद ने सुनी समस्याएं, कई मुद्दों का मौके पर हुआ समाधान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद का जनसंवाद कार्यक्रम 'चाय पर चर्चा' लगातार जनता के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम अब अपने 19वें पड़ाव पर पहुंच गया। इस बार यह आयोजन करनाल के नेहरू प्लेस क्षेत्र में हुआ, जहां सुबह-सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और विधायक से सीधे संवाद किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति माहौल में भगवान श्रीराम के नाम का भजन गाते हुए की गई। इसके बाद विधायक जगमोहन आनंद ने जनसमूह के बीच जाकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और कई मुद्दों का समाधान मौके पर ही किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक ने कहा, "मेरा प्रयास है कि जनता और उनके विधायक के बीच कोई दूरी न रहे। करनाल मेरा परिवार है और मेरी सेवा का मूल उद्देश्य ही यही है कि हर व्यक्ति की बात सुनी जाए और उसका समयबद्ध समाधान किया जाए।" उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या को लेकर सीधे उनसे मिल सकता है। विधायक आनंद ने कहा कि चाय पर चर्चा का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं बल्कि समाधान की ओर ठोस कदम उठाना है। इस मंच पर जो भी नागरिक आता है, उसकी समस्या को गंभीरता से लिया जाता है और संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं।

विधायक ने यह भी बताया कि करनाल में विकास कार्य तेज गति से जारी हैं। नगर निगम के सभी वार्डों में विकास की योजनाओं पर कार्य हो रहा है और प्रत्येक योजना पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि आगामी समय में नई संभावनाओं के साथ कई योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाएगा ताकि करनाल का संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

विधायक ने दोहराया कि "सेवा ही मेरा सरोकार है और मैं करनाल की जनता के लिए हर समय समर्पित हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता यही है कि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, और इसके लिए वे निरंतर जनता के बीच रहकर संवाद बना रहे हैं। कार्यक्रम में भाग लेने आए लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी बात कहने का सीधा मंच मिला है और अधिकारी भी ज्यादा गंभीरता से समाधान की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

स्वदेश चोपड़ा जी की पुण्यतिथि पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, हरविंद्र कल्याण सहित कई गणमान्य पहुंचे श्रद्धांजलि देने

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। पंजाब केसरी समाचार पत्र समूह की पूर्व निदेशक स्वर्गीय श्रीमती स्वदेश चोपड़ा जी की दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को रेलवे रोड स्थित कांबोज धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणु बाला गुप्ता सहित कई गणमान्य अतिथियों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शिविर का अवलोकन किया।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने स्वदेश चोपड़ा जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि वे महिलाओं के अधिकारों की सशक्त आवाज थीं और उन्होंने समाजसेवा को जीवन का उद्देश्य बना लिया था। उन्होंने कहा कि पंजाब केसरी परिवार की राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के जज्बे को देश हमेशा याद रखेगा। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि यह परिवार अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की प्रेरणा से आतंकवाद के खिलाफ हमेशा डटकर खड़ा रहा है। "पंजाब केसरी समूह ने समाज के लिए जो मिसाल कायम की है, वह अनुकरणीय है। इस परिवार की नारी शक्ति स्वदेश चोपड़ा जी का योगदान अविस्मरणीय है।" शिविर में विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी भी स्वास्थ्य जांच करवाई और शिविर में मौजूद डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ से बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की।

विधायक जगमोहन आनंद ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वदेश चोपड़ा जी समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रभक्ति की प्रतीक थीं। उन्होंने कहा कि "पंजाब केसरी परिवार ने देश के लिए जो बलिदान और संघर्ष किया है, वह प्रेरणादायी है। स्वदेश जी ने महिलाओं की मदद के लिए जो कार्य किए, उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।"

मेयर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि स्वदेश चोपड़ा जी ने समाज और परिवार के बीच एक सुंदर संतुलन बनाकर समाज को दिशा दी। उन्होंने कहा कि "पंजाब केसरी समूह ने हमेशा सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका निभाई है और यह शिविर उसी भावना का परिचायक है।" शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर रक्तचाप, शुगर, ईसीजी, नेत्र जांच जैसी सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रही।

इस अवसर पर कई वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य न केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना था, बल्कि स्वदेश चोपड़ा जी के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाना भी था।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 जुलाई को

एसबी संवाददाता

कैथल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मैहला की देखरेख में 12 जुलाई को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि लोक अदालत विवादों के समाधान के लिए होती है। इसे जनता की अदालत भी कहा जाता है। यह निष्पक्ष और सरल न्याय प्रदान करता है। लोक अदालतों द्वारा संपत्ति, चेक बाउंस, मोटर वाहन अधिनियम तहत किए गए चालान, वित्तीय विवाद और वैवाहिक मुद्दों जैसे पारिवारिक विवादों को व्यापक रूप से और प्रभावी ढंग से हल किया जाता है। लोक अदालत में मामले का निपटारा तुरन्त हो जाता है और सभी को न्याय आसानी से मिल जाता है।

पद्म पुरुस्कारों के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन : डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरुस्कारों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र व्यक्ति आगामी 31 जुलाई, 2025 तक नामांकन भर सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी।

नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोडकर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

इस संबंध में और अधिक विवरण वेबसाइट पदमा अवार्ड.जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

डॉ. वीरेंद्र चौहान ने संभाला एचआईआरडी निदेशक का कार्यभार

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जाने-माने शिक्षाविद और हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने शनिवार को हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान (एचआईआरडी), नीलोखेड़ी के निदेशक का कार्यभार संभाल लिया। उनकी नियुक्ति तीन वर्षों के लिए की गई है। डॉ. चौहान गांव गोंदर (करनाल) के मूल निवासी हैं। वे चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष रह चुके हैं और करीब एक दशक तक प्रिंट मीडिया में कार्यरत रहे। इस दौरान वे हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं।

डॉ. चौहान को चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में राज्य का पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने का श्रेय प्राप्त है। इसके साथ ही उन्होंने अपने गांव में रेडियो ग्रामोदय के नाम से हरियाणा का पहला ग्राम्य सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किया, जो ग्रामीण विकास के प्रति उनकी सोच को दर्शाता है। वे कम्युनिटी रेडियो एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संस्थापक राष्ट्रीय संयोजक और पहले महासचिव भी रह चुके हैं। उन्होंने देशभर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को एक मंच पर लाकर ग्रामीण क्षेत्रों में संवाद को सशक्त किया।

नीलोखेड़ी स्थित संस्थान में पहुंचने पर सहायक प्रोफेसर सुशील मेहता, नीलम छिकारा और शहर के कई गणमान्य लोगों ने डॉ. चौहान का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें बताया गया कि संस्थान में इन दिनों नव नियुक्त खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों का एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है, जो 8 जुलाई को संपन्न होगा। डॉ. चौहान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच के अनुरूप संस्थान के कार्यों को गति देना होगा। उन्होंने कहा कि एचआईआरडी का कार्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्थान शोध, अध्ययन और नीतिगत सुझावों का केंद्र भी है। डॉ. चौहान ने अपनी नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का आभार जताया।

नशा मुक्त हो जिला अभियान तहत संदिग्ध नशा तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

■ आमजन से संपर्क स्थापित करके संदिग्ध नशा तस्करों की पहचान की गई

जांच व पूछताछ करते हुए पुलिस टीम। (छायाः एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस द्वारा "नशा मुक्त हो जिला" अभियान के अंतर्गत नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए संदिग्ध नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशन व डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की निगरानी में चलाए गए इस अभियान के तहत आमजन से सीधा संपर्क स्थापित करके संदिग्ध नशा तस्करों की पहचान की गई है।

रविवार को इस अभियान के तहत एसएचओ सीवन इंस्पेक्टर ओमप्रकाश की अगुवाई मे विशेष रणनीति के तहत थाना सीवन, चीका, गुहला, सदर, एंटी नारकोटिक सेल व कमांडो दस्ते के कर्मचारियों को शामिल करके कुल 6 पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें करीब 50 पुलिस कर्मचारी व अधिकारी शामिल थे। इन टीमों ने गांव मांझला, फर्शामाजरा, पोलड़, ककहेड़ी, भुना, कांगथली व सीवन में एक साथ लगभग 50 घरों की गहनता से तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी। पुलिस टीमों ने गांवों में जाकर आमजन, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में मदद मिली। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा आमजन सहित युवाओं को नशे की लत से दूर रहने के लिए जागरूक भी किया गया। एसपी आस्था मोदी ने स्पष्ट किया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेंगी। इस अभियान का उद्देश्य मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। आमजन से भी अपील की गई है कि वे नशा तस्करी जैसी समाज विरोधी गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और समाज को नशा मुक्त बनाने में भागीदार बनें।

राजौंद में हल्का कलायत इनैलो ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी का गठन हुआ: जिला प्रधान ओबीसी मोर्चा सोनु वर्मा

■ राजौंद के पूंडरी मार्ग पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। इनैलो के जिला प्रधान ओबीसी मोर्चा सोनु वर्मा राजौंद ने हल्का कलायत इनैलो ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी का गठन कर सूची जारी की है। राजौंद के पूंडरी मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा इनेलो प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कलायत रामपाल माजरा।

जिला प्रधान इनेलो ओबीसी मोर्चा सोनू वर्मा ने हलका कलायत ओबीसी मोर्चा की नव गठित कार्यकारिणी की सूची जारी की।

सोनू वर्मा ने बताया कि बैकवर्ड सेल हल्का कलायत की नई कार्यकारिणी गठन से पार्टी को नई ऊर्जा,नई ताकत और दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि हल्का कार्यकारिणी (बैकवर्ड सेल हल्का कलायत) में अध्यक्ष के पद पर धर्मबीर सिंह को नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में रणधीर सिंह और उपाध्यक्ष पद पर राहुल, योगेश, संजीव, आकाश तथा सनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रधान महासचिव की जिम्मेदारी अजित को दी गई है। महासचिव पद पर सत्यवान, इंदुसिंह, जोगेन्दर, जयभगवान और संदीप को शामिल किया गया है। सचिव के रूप में जितेंद्र, रमेश, कृष्ण, रामपाल, रामकुमार, पाला राम और संदीप को नियुक्त किया गया है। अनवर को कोषाध्यक्ष तथा ईश्वर को प्रचार सचिव बनाया गया है। बलिंदर हल्का प्रवक्ता की भूमिका निभाएंगे। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सतनाम, पवन, राजू, बलिंदर, विनोद, रामफल और करण सिंह को शामिल किया गया है। सभी पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे तन, मन और धन से पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

हरियाणा इनैलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में विपक्ष की भूमिका के रूप में इनेलो पार्टी सक्रियता से अपना कार्य कर रही है। कांग्रेस पार्टी अपने ही अंतरकलह में उलझी हुई है। कांग्रेस सहित दूसरी विपक्षी पार्टियों का हरियाणा में कोई वजूद नहीं रहा है। इनेलो पार्टी सामाजिक मुद्दे उठाकर, जनता के सुख-दुख में शामिल होकर अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रही है। नई कार्यकारिणी के गठन से पार्टी दिन प्रतिदिन मजबूत हो रही है। पुराने साथियों को फिर से पार्टी में ज्वाइन करवाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए बताया कि भाजपा ने लोक लुभावन घोषणाएं करके प्रदेश के वोटरों से मत हासिल किए थे। उन घोषणाओं को भाजपा कभी पूरा नहीं कर पाई है। इसलिए हरियाणा का वोटर खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है।

माजरा ने कहा कि यदि राजौंद की स्थानीय समस्याओं की बात की जाए तो इन समस्याओं की लिस्ट लम्बी हैः राजौंद व क्षेत्र की टूटी-फूटी सड़कें, कंडम पशुओं का अस्पताल, दुकानों से रहित अनाज मंडी, सरकारी हॉस्पिटल राजौद में पड़े खाली पद, कंडम हो चुके सरकारी अस्पताल के डॉक्टर के क्वार्टर, सब्जी मंडी व फल मंडी का अभाव, सरकारी कॉलेज निर्माण बारें नागरिकों को किया जा रहा है गुमराह, स्ट्रीट लाइटों की दुर्गति, नगर पालिका में सफाई कर्मचारियों का टोटा, पीने के पानी की समस्या, स्कूल में शिक्षकों की कमी, राजौद में पार्क व स्टेडियम का अभाव, पटवार खाने का अभाव, प्रधानमंत्री आवास योजना में बंदर बांट, सरकारी लाइब्रेरी का अभाव, बस अड्डे की दुर्गति, कंडम हो चुकी तहसील भवन की इमारत, सड़के नीची व नाले ऊंचे, राजौद में पुराना थाना परिसर बना नर्क का द्वार, नगर पालिका राजौद का शॉपिंग कंपलेक्स बना सफेद हाथी आदि अनेक प्रकार की स्थानीय जन समस्याएं सरकार का मुंह चिढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्लान में हरियाणा सरकार के पास हल्का कलायत से राज्य मंत्री होते हुए भी इन समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया गया। इस वजह से गत विधानसभा चुनाव में प्रदेश सरकार का नुमाइंदा भारी मतों से हारा है। यह सरकार को जनता ने आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने प्रदेश की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि बेरोजगारों की लाइन लंबी होती जा रही है, नौकरियों के नाम पर युवाओं को झांसा दिया जा रहा है। स्मार्ट सिटी का कहीं नामोनिशान नहीं है। महंगाई की दर सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है। किसानों से धोखा और फरेब किया जा रहा है। पुरानी पेंशन बहाली योजना लागू न करना दुखद है, अतिथि अध्यापकों को पहली कलम से पक्का करने वाली भाजपा को आज तक वह पहली कलम नहीं मिली है, व्यापारी, किसान, नौकरीपेशा वर्ग सभी सरकार की नीतियों से हताश व परेशान हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इनेलो प्रदेश में धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। युवाओं, महिलाओं, नागरिकों का रुझान इनेलो की ओर बढ़ रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में इनेलो सत्तारूढ़ होगी। हरियाणा प्रदेश को फिर से खुशहाल बनाया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा को दी 1.20 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र घरौंडा को 1 करोड़ 20 लाख रुपये के 7 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जाकर इन कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया और लोगों से सीधा संवाद करते हुए समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान भी किए।

विधानसभा अध्यक्ष ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह, घरौंडा में आमजन से मुलाकात की और बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि "11 वर्ष पहले यह क्षेत्र विकास की दौड़ में पिछड़ा हुआ था, लेकिन आज हालात बदल चुके हैं।" उन्होंने बताया कि सरकार ने नियमों में बदलाव कर अवैध कॉलोनियों को मान्यता दी और वहां मूलभूत सुविधाएं पहुंचाईं। आज गांवों में सुंदर पार्क, ई-लाइब्रेरी, नए स्कूल-कॉलेज और बेहतर सड़कों पर कार्य हो रहा है। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आज की सरकार मेरिट पर नौकरियां दे रही है, न कि सिफारिशों पर। उन्होंने युवाओं से सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक श्रमदान करने की अपील की, जिससे वे अपने क्षेत्र की सुंदरता में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि समाज में यदि भाईचारा रहेगा, तो वातावरण अच्छा रहेगा और समाज तेजी से तरक्की करेगा। विकास कार्यों में राजनीति न करें, बल्कि सहयोग करें। विधानसभा अध्यक्ष ने उत्तम नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को पार्क सौंदर्यकरण का आश्वासन भी दिया और कहा कि सभी वाजिब मांगें पूरी की जाएंगी।